



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ठप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 161]  
No. 161]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 2, 2003/चैत्र 12, 1925  
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 2, 2003/CHAITRA 12, 1925

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2003

सा.का.नि. 296 (अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 ( 1997 का

24 ) की धारा 35 की उपधारा (2) के खण्ड (घक) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दूरसंचार विवाद समाधान और

अपील अधिकरण ( अपील फाइल करने के लिए प्रारूप सत्यापन और फीस ) नियम, 2003 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं - (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) “ अधिनियम ” से भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 ( 1997

का 24 ) अभिप्रेत है ;

(ख) “ अपील अधिकरण ” से भारतीय दूरसंचार विनियोगक प्राधिकरण अधिनियम, 1997

( 1997 का 24 ) की धारा 14 के अधीन स्थापित दूरसंचार विवाद समाधान और अपील अधिकरण अभिप्रेत है ।

(2) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो क्रमशः उनके उस अधिनियम में हैं ।

3. अपील फाइल करते स्थग्न प्रारूप और सत्यापन - अधिनियम की धारा 14क की उपधारा (2) के अधीन कोई अपील फाइल करने का प्ररूप और उसका सत्यापन इन नियमों से संलग्न प्रारूप क में विनिर्दिष्ट फार्मेट में होगा ।

4. कोई अपील फाइल करने के लिए फीस - (1) अधिनियम की धारा 14क की उपधारा (2) के अधीन फाइल की गई अपील के साथ, जहां प्रत्यर्थी चार से कम हैं, 10,000/- रु0 ( केवल दस हजार रुपए ) होंगे और चार या अधिक प्रत्यर्थीयों की दशा में उक्त फीस 50/- रु0 ( केवल पचास रुपए ) प्रति अभ्यर्थी, जो संख्या में तीन से अधिक हो, बढ़ा दी जाएगी और उक्त फीस आहरण तथा संवितरण अधिकारी, दूरसंचार विवाद समाधान और अपील अधिकरण के पक्ष में मांग देय झाफ्टों के रूप में होगी तथा अपील अधिकरण की बैंच के स्थान पर संदेय होगी ।

परन्तु यह कि अपील अधिकरण का अध्यक्ष अपने विवेकानुसार, अपील फाइल करने के लिए संदेय फीस या तो घटा सकेगा या अधित्यक्त कर सकेगा ।

5. सूचनाओं की तामील के लिए प्रक्रिया - (1) अपील अधिकरण के आदेशों के अनुसार तामील किए जाने के लिए अपेक्षित सभी सूचनाओं की उपनियम (2), उपनियम (3) और उपनियम (4) में विनिर्दिष्ट रीति से तामील की जाएगी ।

(2) किसी सूचना की तामील, यथास्थिति, अपीलार्थी या प्रत्यर्थी द्वारा दस्ती या किसी आदेशिका तामीलकर्ता द्वारा या रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा या स्पीड पोस्ट द्वारा या ऐसी कुरियर सेवा द्वारा या दस्तावेजों के प्रेषण के किसी अन्य साधन (जिसके अन्तर्गत फैक्स संदेश है) द्वारा की जाएगी और सूचना, यथास्थिति प्रत्यर्थी या अपीलार्थी को सम्बोधित होगी ।

(3) जब कोई अभिस्वीकृति या कोई अन्य रसीद जो, यथास्थिति प्रत्यर्थी या उसके अभिकर्ता या अपीलार्थी या उसके अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होनी तात्पर्यित है, अपील अधिकरण को प्राप्त होती है या सूचना अन्तर्विष्ट करने वाली डाक वस्तु, इस आशय के पृष्ठांकन सहित, जो यथास्थिति, किसी डाक कर्मचारी द्वारा या कुरियर सेवा द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा किया गया तात्पर्यित है, वापस प्राप्त होती है कि यथास्थिति, प्रत्यर्थी या उसके अभिकर्ता या अपीलार्थी या उसके अभिकर्ता ने सूचना अन्तर्विष्ट करने वाली डाक वस्तु का परिदान लेने से इंकार किया था या उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट किसी अन्य साधन द्वारा सूचना स्वीकार करने से इंकार किया था, जब वह उसे निविदित या प्रेषित की गई थी, तो अपील अधिकरण घोषित करेगा कि सूचना की विरोधी पक्षकार पर सम्यक् रूप से तामील कर दी गई है :

परन्तु जहां सूचना उचित रूप से सम्बोधित, रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा पूर्व संदत्त रूप में और सम्यक् रूप से भैजी जाती है, वहां उक्त निर्दिष्ट कोई घोषणा इस तथ्य के होते हुए भी की जाएगी कि अभिस्वीकृति खो गई है या मार्गभ्रष्ट हो गई है या किसी अन्य कारण से अपील अधिकरण द्वारा सूचना के जारी किए जाने की तारीख से तीस दिने के भीतर प्राप्त नहीं हुई है ।

(4) प्रत्यर्थी या अपीलार्थी पर तामील किए जाने के लिए अपेक्षित सभी सूचनाओं की पर्याप्त रूप से तामील की गई समझी जाएंगी यदि उनकी उपनियम (2) और उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट रीति से, किसी प्रत्यर्थी की दशा में उस स्थान पर जहां प्रत्यर्थी द्वारा कारोबार या वृत्ति की जाती है और किसी अपीलार्थी की दशा में, जहां अपीलार्थी वास्तव में और खेच्छ्या निवास करता है या कारोबार करता है, के पते पर तामील कर दी गई है ।

## प्रारूप क

( नियम 3 देखिए )

प्रारूप

दूरसंचार विवाद समाधान और अपील अधिकरण, नई दिल्ली

अपीली अधिकारिता

अपील सं० / 2003

निम्नालिखित के मामले में :

क. ख. ( अनुज्ञापक या अनुज्ञाप्तिधारी या सेवा प्रदाता या

किसी उपभोक्ता-समूह का नाम और पता )

अपीलार्थी

ग.घ. ( वर्णन और ऐसा शासकीय या आवासीय पता जोड़ें,

जिस पर सूचनाओं की तामील प्रत्यर्थी या प्रत्यर्थियों पर

की जानी है, प्रत्येक प्रत्यर्थी के ब्यौरे कालानुक्रम से दें )

प्रत्यर्थी

1. अपील का व्यौरा :

( प्राधिकारी के उस निर्देश, विनिश्चय या आदेश की विशिष्टियां दें, जिसके विरुद्ध अपील की गई है )

2. अपीली अधिकरण की अधिकारिता :

अपीलार्थी घोषित करता है कि ऐसे निर्देश, विनिश्चय या आदेश की जिसके विरुद्ध वह प्रतितोष चाहता है, विषयवस्तु अधिकरण की अधिकारिता के भीतर है ।

3. परिसीमा :

( अपीलार्थी आगे घोषित करता है कि अपील भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 ( 1997 का 24 ) की धारा 14क की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर है )

4. मामले के तथ्य :

मामले के तथ्य नीचे दिए गए हैं :

( यहां कालानुक्रम से तथ्यों का संक्षिप्त विवरण दें, प्रत्येक पैरा में यथासंभव निकटतम रूप से पृथक विवाद्यक तथ्य या अन्यथा हो )

5. विधिक उपबन्धों सहित अनुतोष का आधार :

6. निःशेष किए गए उपचारों के ब्यौरे :

अपीलार्थी घोषित करता है कि उसने अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियम के सुसंगत उपबन्धों के अधीन उसको उपलब्ध सभी उपचारों का उपभोग कर लिया है ।

( यहां किए गए व्यपदेशनों के ब्यौरे कालानुक्रम से और ऐसे व्यपदेशनों का परिणाम उस उपाबंध की संख्या के प्रति निर्देश से जो उसके समर्थन में दिया गया हो, दें )

7. मामले जो पहले फाइल नहीं किए गए हैं या किसी अन्य न्यायालय में लम्बित है :

अपीलार्थी आगे घोषित करता है कि उसने उस मामले के संबंध में, जिसके बारे में यह अपील की गई है, पहले कोई रिट याचिका या वाद, किसी न्यायालय या किसी अन्य प्राधिकारी के समक्ष फाइल नहीं किया है और न कोई ऐसी रिट याचिका या वाद, उनमें से किसी के समक्ष लम्बित है ।

( यदि अपीलार्थी ने पहले कोई ऐसी रिट याचिका या सूट फाइल किया है तो वह प्रक्रम जिस पर वह लम्बित है और यदि उसका विनिश्चय किया गया है तो विनिश्चयों की सूची उस उपाबंध की, जो उसके समर्थन में दिया गया है, संख्या के प्रति निर्देश से दी जानी चाहिए ।

8. चाहा गया अनुतोष :

उक्त पैरा 4 में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अपीलार्थी निम्नलिखित अनुतोष

(अनुतोषों ) के लिए प्रार्थना करता है :

( नीचे मांगे गए अनुतोष, ऐसे अनुतोष ( अनुतोषों ) के लिए आधारों को स्पष्ट करते हुए और उन विधिक उपबन्धों को, यदि कोई हो, जिन पर भरोसा किया गया है, विनिर्दिष्ट करें )

9. अन्तर्रिम आदेश, यदि कोई हो, जिसके लिए प्रार्थना की गई है :

आवेदन पर अन्तिम विनिश्चय लम्बित होने तक अपीलार्थी चाहता है कि निम्नलिखित अन्तर्रिम आदेश जारी किया जाए :

( उस अन्तर्रिम आदेश की प्रकृति, जिसके लिए प्रार्थना की गई है, कारणों सहित बताएं )

10. सूचकांक के ब्यौरे:

(उन दस्तावेजों के, जिन पर भरोसा किया गया है, ब्यौरे अन्तर्विष्ट करने वाला सूचकांक संलग्न है )

11. अपील के लिए फीस के संबंध में आहरण और संवितरण अधिकारी, दूरसंचार विवाद समाधान

और अपील अधिकरण के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट की विशिष्टियां ।

12. संलग्नकों की सूची

1.

2.

3.

4.

सत्यापन

मैं \_\_\_\_\_ ( अपीलार्थी का नाम ) पुत्र / पत्नी / पुत्री / ( यथास्थिति किसी भी एक को दर्शित करें ) \_\_\_\_\_ आयु \_\_\_\_\_ जो \_\_\_\_\_ के कार्यालय में \_\_\_\_\_ के रूप में कार्यरत हूं सत्यापन करता / करती हूं कि पैरा \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक की अंतर्वस्तुएं मेरी व्यक्तिगत जानकारी से सही हैं ( शासकीय अभिलेख से प्राप्त ) और पैरा \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ तक के बारे में विधिक सलाह के आधार पर सही होने का विश्वास करता / करती हूं और यह कि मैंने कोई तात्त्विक तथ्य छिपाया नहीं है ।

तारीख :

स्थान :

अपीलार्थी या प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

[ फा. सं. 15/2/2001-पुनर्गठन ]

पी. के. तिवारी, उप सचिव (पुनर्गठन)

**MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY**  
**(DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATIONS)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd April, 2003

**G.S.R. 296(E).**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) read with clause (da) of Sub-section (2) of Section 35 of the Telecom Regulatory Authority of India, Act 1997 (24 of 1997), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement .- (1) These rules may be called the Telecom Disputes Settlement and Appellate Tribunal (Form, Verification and the Fee for filing an appeal) Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless context otherwise requires,-

(a) “Act” means the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997);

(b) “Appellate Tribunal” means the Telecom Disputes Settlement and Appellate Tribunal established under section 14 of the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997).

(2) The words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. The form and verification while filing an appeal,- The form of filing an appeal under sub-section (2) of section 14A of the Act and its verification shall be in the format specified in Form A appended to these rules.

4. Fee for filing an appeal, – (1) The fee accompanied with an appeal filed under sub-section(2) of section 14A of the Act shall be Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand only) where the respondents are less than four and in the case of four or more respondents the said fee shall be increased by Rs. 50/- (Rupees fifty only) per respondent exceeding three in number and shall be in the form of demand drafts in

in favour of Drawing and Disbursing Officer, Telecom Disputes Settlement and Appellate Tribunal and payable at the place of the Bench of the Appellate Tribunal:

Provided that the Chairperson of the Appellate Tribunal may at his discretion, either reduce or waive fee payable for filing of appeal.

5. Procedure for service of notices,- (1) All notices required to be served in accordance with the orders of the Appellate Tribunal shall be served in the manner specified in sub-rules (2), (3) and (4).

(2) The service of a notice shall be made by hand delivery (Dasti) by the Appellant or respondent, as the case may be, or by a process server or by registered post with acknowledgement due or by speed post or by such courier service or by any other means of transmission of documents (including fax message), as the case may be, and the notice shall be addressed to the respondent or to the appellant, as the case may be.

(3) When an acknowledgement or any other receipt purporting to be signed by the respondent or his agent or by the appellant or his agent, as the case may be, is received by the Appellate Tribunal or postal article containing the notice is received back with an endorsement purporting to have been made by a postal employee or by any person authorised by the courier service to the effect that the respondent or his agent or the appellant or his agent, as the case may be, had refused to take delivery of the postal article containing the notice or had refused to accept the notice by any other means specified in sub-rule (2) when tendered or transmitted to him, the Appellate Tribunal shall declare that the notice had been duly served on the opposite party or to the Appellant:

Provided that where the notice was properly addressed, pre-paid and duly sent by registered post with acknowledgement due, a declaration referred to above, shall be made notwithstanding the fact that the acknowledgement has been lost or mislead, or for any other reason has not been received by the Appellate Tribunal within thirty days from the date of issue of notice.

(4) All notices required to be served on the respondent or the appellant shall be deemed to be sufficiently served, if served in the manner specified in sub-rule (2) and (3) on the address in the case of a respondent to the place where business or profession is carried by the respondent and in case of an appellant where the appellant actually and voluntarily resides or carries on business.

**Form A**  
(See rule 3)

**IN THE TELECOM DISPUTES SETTLEMENT AND APPELLATE  
TRIBUNAL AT NEW DELHI**

**APPELLATE JURISDICTION  
APPEAL NO. /2003**

**In the matter of:**

A.B. (Name and Address of the licensor or licensee  
or service provider or a group of consumers) ....Appellant(s)

C.D. (add description and the official or residential  
address on which the service of notices is to  
be effected on the respondent or respondents.  
The details of each respondent are to be given  
in a chronological order) ....Respondent(s)

1. Detail of appeal:  
[give the particulars of the direction, decision or order of the Authority against  
which the appeal is preferred].

2. Jurisdiction of the Appellate Tribunal:

The appellant declares that the subject matter of the direction, decision or order  
against which he wants redressal is within the jurisdiction of the Tribunal.

3. Limitation:

[The Appellant further declares that the appeal is within the period specified in  
sub-section (3) of section 14A of the Telecom Regulatory Authority of India Act,  
1997(24 of 1997.)].

4. Facts of the case:

The facts of the case are given below:

(Give here a concise statement of facts in a chronological order, each paragraph  
containing as nearly as possible a separate, issue, fact or otherwise.).

## 5. Ground of relief with legal provisions:

## 6. Details of the remedies exhausted:

The appellant declares that he has availed all the remedies available to him under the relevant provisions of the Act and rule framed thereunder.

(Give here chronologically the details of representations made and the outcome of such representations with reference to the number of annexure to be given in support thereof.).

## 7. Matters not previously filed or pending with any other court:

The appellant further declares that he had not previously filed any writ petition or suit regarding the matter in respect of which this appeal has been made before any court or any other authority nor any such writ petition or suit is pending before any of them.

[In case the appellant previously had filed any such writ petition or suit, the stage at which it is pending and, if decided, the list of the decisions should be given with reference to the number of annexure to be given in support thereof.]

## 8. Relief sought:

In view of the facts mentioned in para 4 above, the appellant prays for the following relief(s):

(Specify below the relief(s) sought explaining the grounds for such relief(s) and the legal provisions, if any, relied upon.)

## 9. Interim order, if any, prayed for:

Pending final decision on the application, the appellant seeks issue of the following interim order:

(Given here the nature of the interim order prayed for with reasons).

## 10. Details of Index:

(An Index containing the details of the documents to be relied upon is enclosed).

## 11. Particulars of bank draft in favour of the Drawing and Disbursing Officer, Telecom Disputes Settlement and Appellate Tribunal in respect of the fee for appeal.

## 12. List of enclosures:

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

**Verification**

I .....(Name of the appellant) S/o, W/o, D/o [indicate any one, as the case may be].....age.....working as ..... in the office of..... resident of .....do hereby verify that the contents of the paras.....to.....are true to my personal knowledge (derived from official record) and paras..... to .....believed to be true on legal advice and that I have not suppressed any material facts.

Date:

Place:

Signature of the appellant or authorised officer

[F. No. 15/2/2001-Restg.]  
P. K. TIWARI, Dy. Secy. (Restructuring)